गई थीं कि हिन्दी में प्रशिक्षित कर्मचारियों का हिन्दी का कुछ काम करने के लिए उपयोग किया जाये । किन्तु इस तथ्य को देखते हुए कि 26 जनवरी, 1965 के बाद भी अंग्रेजी भाषा को सहायक भाषा के रूप में जारी रखा गया है, ऐसे अधिकारियों को अपना टिप्पण कार्य हिन्दी में करने को नहीं कहा गया है ।

†TTHE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. S. NASKAR): (a) The number of Central Government officers who have passed the various Hindi examinations prescribed by the Home Ministry during 1964-65 and 1965-66 is as follows: —

1964-65—	
Prabodh	4,827
Praveen	7,230
Pragya	14,233
TOTAL	26,290
1965-66 (uptil June)—	
Prabodh	3,064
Praveen	5,961
Pragya	4,757
TOTAL	13,782

(b) Instructions were issued to all Ministries *vide* Home Ministry's O. M. No. 16/30/60-OL, dated the 4th October, 1960 that Hindi trained staff should be used Or doing some Hindi work. In view, however, of the fact that the English language has been continued as an associate official language after 26th January 1965, such officers have not been required to do their noting in Hindi.1

वास्तु-कला का तीन वर्ष का डिप्लोमा पाठ्य-क्रम

187. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के अध्ययन दल द्वारा 1965 में की गई सिफ़ारिश के अनुसार पोलीटेक्नीकों तथा अन्य संस्थानों में वास्तु-कला के तीन वर्ष के डिप्लोमा अथवा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम आरम्भ करने का विचार कर रही है ; यदि हां, तो वे कब तक और किन-किन स्थानों में आरम्भ किये जायेंगे ; और

(ख) उक्त समिति की सिफ़ारिशों के अनुसार सट्रेल स्कूलों के कर्मचारियों के बच्चों के लिए उक्त-पाठ्यक्रम कहां-कहां आरम्भ किये जायेंगे ?

† [THREE YEARS DIPLOMA coimsE IN ARCHITECTURE

187. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government propose to start three years diploma or certificate course in architecture in polytechnics and in other institutions as recommended by the study team on Central Public Works Department in 1965; if so, when these would be started and at what places; and

(b) what are the names of the places where the said courses would be started for the children of the Central Schools Employees according to the recommendations of the said committee?]

शिक्षा मंत्री (श्री एम० सी० चागला) (क) वास्तुकला-सहायक का एक तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थाओं में पहले से ही चल रहा है :—

1. वास्तुकला कालेज, चन्डीगढ़ ।
2. महिला पोलिटेक्निक, नई दिल्ली
3. महिला राजकीय पोलिटेक्निक, चन्डीगढ़ ।

†[ ] English translation.

4. राजकीय बालिका (गर्ल्स) पोलिटैक्निक, लखनऊ ।

5. राजकीय कला और शिल्प कालेज, लखनऊ ।

6. महिला राजकीय पोलिटैक्निक, अहमदाबाद ।

7. कमला नेहरू राजकीय पोलिटैक्निक, हैदराबाद ।

8. राजकीय बालिका (गर्ल्स) पोलिटैक्निक, काकीनाड़ा ।

(ख) केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग के अध्ययन दल ने केन्द्रीय स्कूलों के कर्मचारियों के बच्चों के लिए वास्तुकला में कोई पाठ्यक्रम आरम्भ करने की सिफारिश नहीं की है ।

†[THE MINISTER OF EDUCATION (SHRI M. C. .CHAGLA); (a) A three-year diploma course in Architectural Assistants is already being conducted at the following institutions:*—

1. College of Architecture, Chandigarh.
2. Women's Polytechnic, New Delhi.
3. Government Polytechnic for Women, Chandigarh.
4. Government Girls Polytechnic, Lucknow.
5. Government College of **Art*** and Crafts, Lucknow.

t. Government Polytechnic for Women, Ahmedabad.

7. Kamla Nehru Government Polytechnic, Hyderabad.
8. Government Polytechnic **for** Girls, Kakinada.

(b) No recommendation has been made by the Study Team on Central Public Works Department for starting any course in architecture for the children, of Central Schools Employees.]

श्रमजीवियों को सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान की शिक्षा देने की योजना

188. **श्री भगवत नारायण भार्गव** : क्या श्रम, सेवानियोजन और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या श्रमजीवियों को उन उद्योगों के बारे में जिनमें वे काम करते हैं ; सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान की शिक्षा देने के लिए विशेष प्रबन्ध करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ; और

(ख) यदि हां, तो उस योजना की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं ?

†[SCHEME FOR IMPARTING THEORETICALAND PRACTICAL KNOWLEDGE TO WORKERS

188. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether there is any scheme under the consideration of Government for making special arrangement* for imparting theoretical and practical knowledge to the workers about the trades in which they are employed; and

(b) if so, what are the main features of the scheme?!

श्रम, सेवानियोजन और पुनर्वास मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) जी हां ।

(ख) विवरण नत्थी किया गया है ।

विवरण

औद्योगिक कामगरों का (1) वर्कशाप गणित (2) ब्लू प्रिंट पढ़ने (3) व्यवसाय के मौलिक सिद्धांत तथा सूक्ष्मता जांचने के

†[ ] English translation